website :- www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 4 | RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 | वर्ष : 4 | 19 एप्रिल 2020 | मूल्य : 3

देशभर में संक्रमितों की संख्या १४,७९२

अब तक ४८८ लोगों की मौत

नई दिल्ली : देशभर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक,पिछले २४ घंटे में ९५७ नए मामले सामने आए हैं और ३६ लोगों की मौत हुई है। इसके बाददेशभर में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या १४,७९२ हो गई है। जिसमें १२,२८९ सक्रिय हैं, २०१५ लोग स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और ४८८ लोगों की मौत हो गई है।

असम: ८२ फीसदी लोगों मेंकोरोना के कोई लक्षण नहीं

असम के मंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा है कि राज्य में कुल ३४ रोगियों में से ८२ फीसदी लोगों मेंकोरोना के कोई लक्षण नहीं दिखाई दिए। अधिकांश रोगी ५०-६० वर्ष आयु वर्ग में आते हैं। धुबरी, गोलपारा, नलबाड़ी, मोरीगांव और गोलाघाट को रेड जोन में शामिल किया गया है। मुंबई में कोरोना पॉजिटिव होने के बाद २६ नाविकों के आइसोलेट कर दिया गया है। ये सभी आईएनएस आंग्रे से संबंधित है। अब तक हमारे जहाज, पनडुब्बी या एयर स्टेशन में से एक भी मामला सामने नहीं आया है. भुवनेश्वर में एक और कोरोना का मामला दर्ज किया गया है। राज्य में कुल मामलों की संख्या अब ६१ हो गई है। २४ मरीजों का इलाज किया गया है जबकि १ व्यक्ति

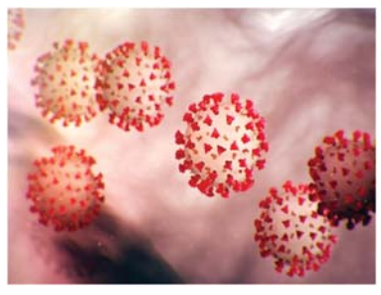

ने बीमारी से दम तोड़ दिया: ओडिशा स्वास्थ्य विभाग

केंद्रीयस्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक,पिछले २४ घंटे में ९५७ नए मामले सामने आए हैं और ३६ लोगों की मौत हुई है। इसके बाददेशभर में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या १४,७९२ हो गई है। जिसमें १२,२८९ सक्रिय हैं, २०१५ लोग स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और ४८८ लोगों की मौत हो गईहै। कोरोना संकट से उबरने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में पंजीकृत १२ लाख निर्माण श्रमिकों को २०००-२००० रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया है। राज्य के श्रम मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने यह जानकारी दी। ये राशि सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

कुल १४३७८ मामलों में से ४२९१ केस तब्लीगी जमात से

कुल १४३७८ मामलों में से ४२९१ (२९.८%) मामले निजामुद्दीन मरकज क्लस्टर से प्रभावित हैं। तमिलनाडु में ८४ फीसदी, दिल्ली में ६३ फीसदी, तेलंगाना में ७९ फीसदी उत्तर प्रदेश में ५९ फीसदी और आंध्र प्रदेश में ६१ फीसदी मामले इस घटना से संबंधित हैं.

स्वास्थ्य मंत्रालय

अमेरिका में कोरोना संक्रमित बच्चों की असल संख्या आंकड़ों से कहीं अधिक

न्यूयॉर्क : अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित बच्चों की वास्तविक संख्या वर्तमान में रिपोर्ट की गई संख्या की तुलना में कहीं अधिक है। अमेरिका में किए गए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है, जो बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाइयों की आवश्यकता का बेहतर अनुमान लगाने में मदद कर सकता है।

जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट एंड प्रैक्टिस' में प्रकाशित इस अध्ययन का आकलन है कि वायरस से संक्रमित २,३८१ बच्चे ऐसे हैं, जिनके कोविड-१९ के इलाज के लिए गहन देखभाल की आवश्यकता है। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, यह गणना चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' द्वारा कोविड-१९ से पीड़ित २,१०० से अधिक बच्चों पर किए गए अपने अध्ययन की एक रिपोर्ट के तर्ज पर किया गया है।

उत्तरी अमेरिकी रजिस्ट्री, वर्चुअल पीआईसीयू प्रणाली के आंकड़ों के आधार पर, वैज्ञानिकों ने कहा कि अमेरिका में ७४ बच्चों को १८ मार्च से छह अप्रैल के बीच बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाइयों (पीआईसीयू) में भर्ती कराया गया था। इस अवधि में इससे और १,७६,१९० बच्चे के संक्रमित होने का संकेत मिला है। पीआईसीयू प्रणालियों के अनुसार, संक्रमित बच्चों के कुल मामलों में ३० फीसदी मामले दो साल से कम उम्र के बच्चों के हैं, २४ फीसदी बच्चे दो से ११ साल के बीच के हैं और ४६ पीसदी बच्चे १२ से १७ साल की आयु के हैं।

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि यदि २०२० के अंत तक अमेरिका की आबादी का २५ फीसदी हिस्सा कोरोना वायरस से संक्रमित हो जाता है, तो गंभीर बीमारी वाले ५०,००० बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना होगा। उनमें से ५,४०० को वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी। अमेरिका में बाल चिकित्सा गहन देखभाल क्षमता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, देश में लगभग ५,१०० बाल गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) बेड हैं।

लॉकडाउन २.० में सरकार के आदेश से नाराज हुए दुकानदार

नई दिल्ली : लॉकडाउन २.० में खरीदारी कैसे होगी, इसके लिए केंद्र सरकार ने दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं, लेकिन वे आदेश न तो विपक्षी दलों के गले उतर रहे हैं और न ही व्यापारिक संगठन इससे सहमत हैं। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि लॉकडाउन १.० में तमाम तरह की दिक्कतें झेलते हुए और कोरोना का जोखिम उठाकर हमने जरूरी वस्तुओं की सप्लाई चेन को जारी रखा है। लेकिन अब लॉकडाउन २.० में सरकार ने स्थानीय दुकानदारों को दरकिनार कर ई-कॉमर्स कंपनियों को व्यापार करने की छूट प्रदान कर दी है।

महाराष्ट्र और उड़ीसा ने तो गैर-जरूरी वस्तुओं के कारोबार की इजाजत देकर स्थानीय व्यापारियों के हितों पर कुठाराघात किया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, शहरी विकास मंत्री और वाणिज्य राज्य मंत्री हरदीप पुरी, गृह सचिव अजय भल्ला और डीपीआईआईटी के सचिव गुरुदास माहपात्रा से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

राज्य वापस लें आदेश

कैट प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह महाराष्ट्र एवं उड़ीसा सरकार की तरफ से जारी उस आदेश को वापस लेने के लिए कहे, जिसमें ई-कॉमर्स कंपनियों को सभी वस्तुओं के व्यापार करने की मंजूरी दी गई है। खंडेलवाल के अनुसार, गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश ई-कॉमर्स कंपनियों को केवल आवश्यक वस्तुओं के विक्रय की अनुमति देते हैं। इस बाबत केंद्रीय वाणिज्य

मंत्री पीयूष गोयल को भेजे गए अपने पत्र में कैट ने महाराष्ट्र और उड़ीसा सरकार की अधिसूचनाओं पर अत्यधिक आपत्ति जताई है। यह अधिसूचनाएं केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से १५ अप्रैल को जारी दिशा-निर्देशों के खिलाफ हैं। इस तरह के आदेशों से बाजार में एक असमान स्तर बनेगा। अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे।

बता दें कि लॉकडाउन के पहले चरण में में स्थानीय दुकानदारों ने जरूरी वस्तुओं की सप्लाई चेन जारी रखी थी। देश में कहीं भी खाने-पीने के सामान की दिक्कत नहीं होने दी गई। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल बताते हैं कि केंद्र सरकार ने अब लॉकडाउन २.० में ई-कॉमर्स कंपनियों को व्यापार करने की इजाजत दे दी है। हालांकि अभी ये तय नहीं है कि ई-कॉमर्स कंपनियां कितनी तरह की आवश्यक या गैर-आवश्यक वस्तुएं बेचेंगी। इस बाबत उत्पादों की संख्या या सीमा तय करने के लिए व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है। बतौर खंडेलवाल, केंद्र सरकार ने कहा है कि ई-कॉमर्स कंपनियां २० अप्रैल से अपना काम शुरू कर सकती हैं। कितने घंटे कामकाज होगा, इस बाबत कुछ नहीं कहा गया है। केवल सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने की बात कही गई है। इसके साथ ही सरकार ने यह भी कह दिया कि राज्य सरकार अपनी सुविधानुसार ई कॉमर्स कंपनियों को कारोबार की मंजूरी दे सकती हैं। कई राज्यों ने ई-कॉमर्स कंपनियों को कारोबार की इजाजत भी दे दी है। इनमें यूपी, गोवा, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उड़ीसा, तेलंगाना और कर्नाटक आदि राज्य शामिल हैं। कई राज्य केवल जरूरी वस्तुओं के कारोबार की मंजूरी देने की बात कह रहे हैं, तो कई प्रदेश जैसे महाराष्ट्र और उड़ीसा ने सभी वस्तुओं के कारोबार की इजाजत दी है।

स्थानीय व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया के अनुसार, अगर ई-कॉमर्स कंपनियों को सभी प्रकार की वस्तुओं के व्यापार की अनुमति दी जाएगी और स्थानीय दुकानों पर लॉकडाउन का प्रतिबंध लगेगा, तो दुकानदार बर्बाद हो जाएंगे। जब लॉकडाउन १.० में स्थानीय दुकानदारों ने कोरोना के जोखिम के बीच जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला जारी रखी थी, तो अब लॉकडाउन में केंद्र सरकार को उन दुकानदारों के हितों का ध्यान रखना चाहिए था। कांग्रेस पार्टी के नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों को कारोबार की इजाजत देकर सरकार ने छोटे दुकानदारों के साथ धोखा किया है। इन दुकानदारों ने पिछले एक माह के दौरान देश में जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होने दी। बहुत से दुकानें बंद हैं, वे बिजली का बिल भर रहे हैं, अपने कामगारों को सेलरी भी दे रहे हैं, टैक्स भी दे रहे हैं, मगर इसके बावजूद सरकार ने उन पर वार कर दिया। ३ मई तक ई-कॉमर्स कंपनियां टीवी, फ्रिज, मोबाइल, कपड़ा व ज्वेलरी आदि सामान बेचेंगी और स्थानीय दुकानदार लॉकडाउन २.० का पालन करेंगे। सरकार की इस भेदभावपूर्ण नीति का जमकर विरोध किया जाएगा।

गोदाम तोडकर ५ लाख की शराब चोरी

दत्तात्रय सूर्यवंशी

लोकतंत्र मिरर, नंदुरबार : नंदुरबार जिल्हा राज्य के आबकारी विभाग के गोदाम को तोड़ दिया और ५ लाख १३ हजार ४४० रूपये किमती शराब चोरी कर ली है। शराब बंदी की कारण, तालीराम ने एक सरकारी गोदाम को बर्बाद करने और अपनी प्यास को संतुष्ट करने के लिए ऐसी हरकत की है। कोरोना वर्तमान में इस वायरल बीमारी से संक्रमित है। उस पृष्ठभूमि पर, १ मार्च से देश को बंद कर दिया गया है। इसलिए, जिला कलेक्टर, डॉ। राजेंद्र भारुड ने जिले में धारा १४४ को लागू किया है। बंद और तालाबंदी भी है। इस अवधि के दौरान, किराना, सब्जी, मेडिकल स्टोर, क्लीनिक और दूध विक्रेताओं के अलावा दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। इसलिए पिछले २५ दिनों से जिले के सभी बीयर बार को भी बंद कर दिया गया है।

इससे शराबियों को नुकसान हुआ है। अभी भी शराब शहर सहित जिले भर में चोरी का प्रचलन है। लेकिन चूंकि खुली बिक्री नहीं है, इसलिए कोटा खत्म हो गए हैं। इसलिए, सरकारी गोदाम में जब्त शराब से पालकी को चोट पहुंची है। राज्य आबकारी विभाग के आरटीओ कार्यालय के पास सरकारी दूध डेयरी परिसर में जब्त शराब का गोदाम है। १ मार्च से ८ अप्रैल की अवधि के दौरान, अज्ञात तालीराम ने गोदाम की छत पर सीमेंट की चादरें तोड़ दीं और ७,५८९, बोतल विदेशी शराब चुरा ली।

इस संबंध में सुभाष किसान बाविस्कर द्वारा दायर की गई शिकायत के अनुसार, अज्ञात तालीमराम के खिलाफ धारा ३८०,४५४,४५७,३४ के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है। आगे की जाँच पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा की जा रही है। पुलिस उप-अधीक्षक रमेश पवार, पुलिस निरीक्षक सुनील नंदवलकर और पुलिस उपाधीक्षक सुनील बिरहडे ने घटनास्थल का दौरा किया।

अब एस टी बस करेगी सेनेटाइज

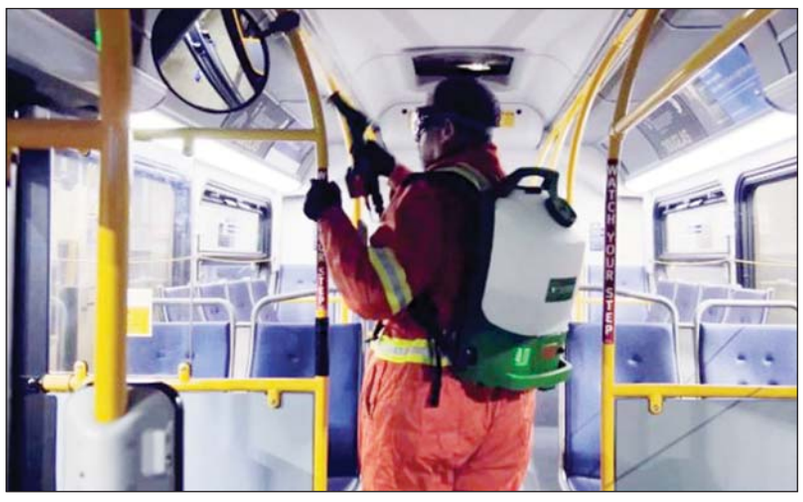

नागपुर : कोरोना की जंग में अब राज्य मार्ग परिवहन महामंडल भी अपना योगदान देनेवाला है। बाहर काम करनेवाले पुलिस व डॉक्टरों के लिए हिंगणा वर्कशॉप में एक बस तैयार की गई है। जिसमें जाने पर मात्र १५ से २० मिनट में किसी को भी सेनेटाइज किया जा सकता है। १३ अप्रैल से शुरू इस काम को शुक्रवार को पूरा किया गया है। अब बस सड़क पर उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि बस का सीधे तौर पर कहां उपयोग किया जाएगा, इस बात का प्रशासन ने खुलासा नहीं किया है।

पूरे देश में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है। जिसके कारण लॉकडाउन की स्थिति हैं। शहर में चलनेवाली १२४ बसें रूकी हैं। ऐसे में इन बसों का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। लेकिन अब मुंबई मुख्यालय से कोरोना की जंग में एस टी बस को

हिंगणा वर्कशॉप में हो गई बनकर तैयार

शामिल करने का फरमान आया है। जिसके बाद से यहां एक ऐसी बस बनाने का कार्य शुरू किया गया, जो कुछ ही सेकंदों में व्यक्ती को सेनेटाइज करेंगा। शुक्रवार को यह बस बनकर तैयार भी है। जल्दी इसे पुलिस प्रशासन की सेवा में निकालने की उम्मीद है।

बस को भीतर से पूरी तरह से खाली किया गया है। वही इसमें एक ड्रम व खास यंत्र लगाए हैं। एक दरवाजे से व्यक्ति को अंदर प्रेवेश कर दूसरे दरवाजे से बाहर निकलना है। इस बीच बस के भीतर के यंत्र शुरू कर दिए जाएंगे।

जिससे व्यक्ति पूरी तरह से सेनेटाइज हो जाएगा। इसी की तरह डालडा फेक्ट्री स्थित वर्कशॉप में भी इसी तरह का एक सेनेटाइज प्रवेश द्वार तैयार किया है। जिस कर्मचारियों को सेनेटाइज करने के इस्तमाल में लाया जानेवाला है। अधीक्षक, हिंगणा वर्कशॉप प्रमोद झाड़े के मुताबिक फिलहाल इस बस का इस्तमाल कहां किया जाएगा। इस बारे में जानकारी नहीं है। लेकिन बस को शुक्रवार को पूरी तरह से तैयार कर लिया है।

२० अप्रैल के बाद लीजिए ऑनलाइन समय

नई दिल्ली : कोरोना वायरस का संक्रमण का खतरा न फैले और कोविड-१९ के मरीजों के अलावा अन्य मरीजों को भी एम्स के चिकित्सकों की सलाह मिल सके, उनका बेहतर इलाज हो सके इसके लिए आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) ने एक बड़ा फैसला किया है। कोविड मरीजों के अलावा जो एम्स केअन्य मरीज हैं उनके इलाज के लिए २० अप्रैल से एक नई व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके तहत जिन लोगों का इलाज एम्स में चल रहा है और कोरोना के चलते आगे का परामर्श वह डॉक्टर से नहीं ले पा रहे हैं, अब वो लोग ऑनलाइन मदद ले सकते हैं।

ऐसे मरीजों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा और फिर उन्हें परामर्श के लिए तारीख उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके बाद दी गई तारीख पर संबंधित विभाग के डॉक्टर इन रोगियों को फोन करेंगेऔर उन्हें जरूरी चिकित्सीय सलाह देंगे।

बता दें कि इस समय एम्स ट्रॉमा सेंटर को कोविड-१९ अस्पताल में बदल दिया गया है।वहीं, अन्य बीमारी से संबंधित मरीजों केआने से उन्हें भी कोरोना संक्रमण का खतरा बराबर रहता है, ऐसे में एम्स ने यह बड़ा फैसला लिया है। एम्स ने इसके लिए एक लिंक भी जारी किया है।

मुंबई में नौसेना के २६ कर्मियों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि

नई दिल्ली : मुंबई में भारतीय नौसेना के कम से कम २६ कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों में इस बीमारी का यह पहला बड़ा मामला है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सभी संक्रमित नाविक साजोसामान और सहयोग शाखा आईएनएस आंग्रे में सेवारत हैं और उनका एक नौसैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक सूत्र ने बताया, 'संक्रमित नौसैनिकों की संख्या २६ है।'

नौसेना ने संक्रमित नाविकों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। दुनियाभर की कई नौसेनाएं कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से जूझ रही हैं। विमानवाहक पोत यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट में सवार एक नाविक ने विषाणु के ५०० मामलों की जानकारी दी। फ्रांसीसी नौसेना भी इस महामारी की चपेट में आई है। सूत्रों ने बताया कि संक्रमितों में से २५ नाविक आईएनएस आंग्रे परिसर के भीतर ऐसी आवासीय इमारत में रह रहे थे जिनमें एक-एक कमरे बने हुए हैं जबकि एक नाविक अपने घर में अपनी मां के साथ रहता है। सूत्रों ने बताया कि नाविक की मां भी संक्रमित पाई गई हैं।

उन्होंने बताया कि नौसेना आवासीय परिसर में रह रहे सभी लोगों की विषाणु के लिए जांच कर रही है उसे 'नियंत्रित क्षेत्र' घोषित कर दिया गया है जबकि उच्च आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान आईसीएमआर के प्रोटोकॉल के अनुसार आईएनएस आंग्रे को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। एक बयान में नौसेना ने कहा कि २१ सेवारत कर्मी कोविड-१९ से संक्रमित पाए गए।इसमें कहा गया है, 'इनमें से ज्यादातर में लक्षण नहीं देखे गए और उस नाविक के जरिए इनका पता चला जो सात अप्रैल को संक्रमित पाया गया था। ये सभी आईएनएस आंग्रे के एक ही रिहायशी ब्लॉक में रहते हैं।' सूत्रों ने बताया कि नौसेना मुख्यालय समेत रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी मामले पर नजर रख रहे हैं।उन्होंने बताया कि नौसेना ने अपनी सभी शाखाओं को कोविड-१९ से कर्मियों की रक्षा के लिए अत्यधिक एहतियात बरतने का आदेश दिया है। यह पहला मामला है जब इतनी अधिक संख्या में सैन्य कर्मियों का कोविड-१९ के लिए इलाज चल रहा है। भारतीय थलसेना में अभी तक इस जानलेवा विषाणु के आठ मामले सामने आए हैं। पिछले हफ्ते नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने एक वीडियो संदेश में अपने कर्मियों से कहा था कि जहाज और पनडुब्बी समेत अहम संचालनात्मक संपत्तियों को संक्रमण मुक्त रखना चाहिए।

उन्होंने कहा था, 'कोरोना वायरस वैश्विक महामारी अप्रत्याशित है और यह पहले कभी नहीं हुई। इसका भारत समेत दुनियाभर में काफी असर पड़ा है।'उन्होंने कहा था कि इस बीमारी से उत्पन्न खतरा वास्तविक, निकट और अप्रत्याशित है।

मास्क लगाईये..... फोटो भेजीये.....

आज हमे पता है कि कोरोना वायरस संक्रमण दुनिया के १८६ देशों में पहुंच चुका है. इस संक्रमण से बचने के लिये मास्क पहनने कि सलाह प्रशासन ने दी है. मास्क के प्रति जनजागृती बढाने के लिये हमने यह पहल शुरु कि है. कृपया आपका मास्क परिधान किया हुआ फोटो हमे भेंजीये आपका फोटो हमारे अखबार मे प्रकाशित किया जायेगा.

९०६७०५४०३२ ७३५०७५०६२७ ९५४५९२४९६८

लॉकडाउन के चलते रेलवे को हो रहा नुकसान

१३ लाख कर्मचारियों के भत्ते में कटौती संभव

नई दिल्ली : देश में तीन मई २०२० तक लॉक़डाउन है। लॉकडाउन के चलते यात्री ट्रेनें बंद हैं, जिससे रेलवे को मोटा नुकसान हो रहा है। ऐसे में रेल मंत्रालय १३ लाख से ज्यादा अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन व भत्ते में कटौती करने की योजना बना रहा है। योजना के तहत टीए, डीए सहित ओवर टाइम ड्यूटी के भत्तों को समाप्त किया जाएगा। इसके मुताबिक ट्रेन ड्राइवर और गार्ड को ट्रेन चलाने पर प्रति किलोमीटर के हिसाब से मिलने वाला भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेलवे के अनुसार, ड्यूटी करने के लिए कर्मचारियों को भत्ता क्यों दिया जाए। लॉकडाउन की वजह से भारतीय रेलवे पहले ही गंभीर आर्थिक तंगी से गुजर रहा है।

भत्ते में ५० फीसदी तक कटौती संभव

ओवर टाइम ड्यूटी के लिए मिलने वाले भत्ते में ५० फीसदी कटौती हो सकती है। मेल-एक्सप्रेस के ड्राइवर और गार्ड को ५०० किलोमीटर पर मिलने वाले ५३० रुपये भत्ते में ५० फीसदी कमी का सुझाव है। साथ ही रेलकर्मियों के वेतन में छह महीने तक कमी करने की सिफारिश की है। इसमें १० फीसदी से ३५ फीसदी तक की कटौती की जा सकती है।

वहीं अगर कर्मचारी एक महीने ऑफिस नहीं आता है, तो परिवहन भत्ता १०० फीसदी कटा जा सकता है। इसके अतिरिक्त बच्चों के पढ़ाई भत्ता के लिए २८ हजार मिलते हैं, जिसकी समीक्षा होनी अभी बाकी है।

रेलवे को होगा १४९० करोड़ का घाटा

मालूम हो कि भारतीय रेलवे ने कहा है कि लॉकडाउन की बढ़ी हुई अवधि के दौरान यात्रा के लिए बुक कराए गए टिकटों के पूरे पैसे वापस किए जाएंगे। २२ मार्च से १४ अप्रैल के बीच यात्रा के लिए बुक कराई गई ५५ लाख टिकटों के लिए रेलवे ८३० करोड़ रुपये की राशि यात्रियों को वापस करेगा। वहीं १५ अप्रैल से तीन मई के बीच यात्रा के लिए ३९ लाख बुकिंग की गई थी। इससे रेलवे को राजस्व में करीब ६६० करोड़ रुपये का घाटा होगा। यानी भारतीय रेलवे को राजस्व में कुल १,४९० करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

जलपाईगुड़ी में कैदियों और पुलिस के बीच झड़प

जेल के प्रवेश द्वार को किया बंद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी केंद्रीय सुधार गृह में शनिवार को पुलिस और कैदियों के बीच जमानत नहीं मिलने को लेकर झड़प हो गई। कोरोना वायरस के चलते देशभर में तीन मई तक लॉकडाउन लागू है, जिस कारण ये कैदी जमानत नहीं ले पा रहे थे। मुख्य अनुशासन अधिकारी असिम आचार्य ने बताया कि कैदियों ने जेल के सुरक्षा गार्डों पर पत्थरबाजी की और प्रवेश द्वार को बंद कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

वहीं, पश्चिम बंगाल में शनिवार सुबह कोरोना के३२ नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के डाटा के अनुसार, पश्चिम बंगाल में अब तक २८७ लोग इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, इस खतरनाक वायरस से १० लोगों की मौत हुई है।

राजधानी कोलकाता में संक्रमितों की सबसे ज्यादा संख्या हैं, जहां १०५ लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। बता दें कि देशभर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक,भारत में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या १४,००० के आंकड़े को पार गई है।

पिछले २४ घंटे में ९९१ नए मामले सामने आए हैं और ४३ लोगों की मौत हुई है। इसके बाददेशभर में कोरोना संक्रमित मरीजों की कुल संख्या १४,३७८ हो गई है। जिसमें ११,९०६ सक्रिय हैं, १९९२ लोग स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और ४८० लोगों की मौत हो गईहै। आज गुजरात में १७६, राजस्थान में ४१, आंध्र प्रदेश में ३१, कर्नाटक में १२,महाराष्ट्र के नागपुर में चार और मेघालय में दो नए मामले सामने आए हैं।

राजस्थान के कोटा में फंसे मध्यप्रदेश के ११९७ छात्रों की वापसी का रास्ता साफ

भोपाल : राजस्थान के कोटा शहर में फंसे ११९७ छात्रों की वापसी के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने तैयारी कर ली है। छात्रों को वापस लाने के लिए करीब ७१ वाहन कोटा रवाना किए जाने हैं। सरकार ने इस बारे में आदेश जारी कर दिए हैं। सरकार का आदेश मिलते ही परिवहन विभाग ने वाहनों के अधिग्रहण की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जानकारी के मुताबिक जिला स्तर पर कलेक्टर कार्यालय ने परिवहन विभाग को छात्रों की सूची उपलब्ध करा दी है। इसके मुताबिक भोपाल के ३९, भिंड के ४८, छतरपुर के ५०, इंदौर के पांच औरग्वालियर के ६८ छात्रों समेत राज्य के ५१ जिलों के कुल ११९७ छात्रों को कोटा से वापस लाना है। सूत्रों के मुताबिक शनिवार देर रात मेडिकल स्टाफ और पुलिस कर्मियों के साथ छात्रों को लाने के लिए वाहन रवाना कर दिए जाएंगे। बता दें कि इससे पहले कोटा में फंसे उत्तर प्रदेश के छात्रों को लाने के लिए योगी सरकार करीब ३०० बसें रवाना कर चुकी है। इसे लेकर राजनीतिक लड़ाई भी छिड़ी हुई है।

राजनीतिक अखाड़े में बदल चुका है इंजीनियर-डॉक्टर देने वाला कोटा

बता दें कि कोरोना महामारी के बीच भारत को इंजीनियर और डॉक्टर देने वाला राजस्थान का कोटा शहर अब राजनीति के अखाड़े में तब्दील हो गया है। बिहार और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने कोटा गएहजारों छात्र लॉकडाउन में वहींअटक गए हैं। करीब ३५ हजार फंसे छात्रों की घर वापसी को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच कड़वाहट पैदा हो गई है। दरअसल, कोटा में फंसे छात्रों की घर वापसी को लेकर चर्चा कुछ दिन पहले ही चल रही थी।

विवाद तब बढ़ा जब राजस्थान सरकार की ओर से इन छात्रों को अपने घर लौटने के लिए पास जारी किए जाने लगे। कुछ छात्र अपने गृह राज्य की सीमा पर पहुंचे तो उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद बिहार सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर कहा कि ये लॉकडाउन के नियमों के खिलाफ है, इस पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

तेलतुंबड़े को २५ अप्रैल तक एनआईए की हिरासत

मुंबई : मुंबई में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने भीमा कोरेगांव के एल्गार परिषद मामले में आरोपी प्रोफेसर आनंद तेलतुंबड़े की पुलिस हिरासत की अवधि को बढ़ा कर उन्हें २५ अप्रैल तक के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने तेलतुंबड़े को १४ अप्रैल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें पहले १८ अप्रैल तक के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था। जिसे बढ़ाकर अब कोर्ट ने २५ अप्रैल तक कर दिया है। इससे पहले तेलतुंबड़े को न्यायाधीश के सामने पेश किया गया।

जान खतरे में डालकर काम करने वाले कर्मचारियों का सम्मान

नागपुर : कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जान खतरे में डालकर ग्रामीण क्षेत्र में काम कर रहे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का जिप स्वास्थ्य समिति की सभा में अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। समिति सदस्य सलील देशमुख ने प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। जिप स्वास्थ्य समिति की तहकूब सभा शुक्रवार को हुई। उपाध्यक्ष तथा समिति सभापति मनोहर कुंभारे की अध्यक्षता में हुई सभा में जिले की स्वास्थ्य सेवा का जायजा लेकर विविध विषयों पर चर्चा की गई। जिले के ग्रामीण क्षेत्र कन्हान में पहला कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने से क्या सावधानी बरती जा रही है।

इस विषय में सलील देशमुख ने जानकारी ली। सभा में स्वास्थ्य कर्मचारियों को नियमित वेतन भुगतान नहीं किए जाने संबंध में भी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया गया। भविष्य में शहर की तरह ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की समस्या पैदा होन पर क्वारेंटाइन की क्या व्यवस्था की जा सकती है, इस विषय पर विभाग से उचित नियोजन करने के निर्देश दिए गए। यदि ऐसी स्थिति पैदा होती है, तो क्वारेंटाइन की व्यवस्था गांव के बाहर करने का सलील देशमुख ने सुझाव दिया।

कई विषयों पर चर्चा के बाद कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए जान जोखिम में डालकर काम कर रहे डॉक्टर्स, नर्स तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का अभिनंदन रखा, जिसे समिति सभापति मनोहर कुंभारे ने अनुमोदन देकर प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में खनीकर्म विभाग से जिला परिषद को सामग्री खरीदी के लिए २० लाख रुपए मंजूर किए जाने की जानकारी सभापति कुंभारे ने बैठक में दी।

इंदौर में आपसी विवाद में चाकूबाजी

इंदौर : इंदौर में शनिवार सुबह आपसी विवाद में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसियों पर चाकू से हमला कर दिया है। यह घटना इंदौर के पलासिया थाने के विनोबा नगर में घटित हुई है। हालांकि पहले कहा जा रहा था कि आरोपी ने सर्वे के लिए गई स्वास्थ्यकर्मी पर चाकू से हमला किया है। पुलिस ने इस बात से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि यह स्वास्थ्यकर्मियों पर किया गया हमला नहीं है।

डीआईजी हरिनारायण चारी मिश्र के अनुसार, 'किसी पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों का आपसी विवाद था। इस वजह से दोनों के बीच विवाद हो रहा था। ऐसी स्थिति में सर्वे टीम अपना काम कर रही थी और सर्वे टीम की महिला मोबाइल पर सर्वे को रिकॉर्ड कर रही थी लेकिन आरोपी युवक को लगा कि इस विवाद को महिला कैमरे में कैद कर रही है। इस वजह से उसने सर्वे टीम की महिला का मोबाइल लेकर तोड़ दिया। हालांकि इसमें महिला पर कोई हमला नहीं किया गया। यह स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हुआ कोई हमला नहीं है। यह पड़ोसियों का आपसी विवाद था लेकिन आरोपी पर धारा ३५३ के तहत कार्रवाई की जा रही है।' इंदौर संभाग के आयुक्त आकाश त्रिपाठी ने साफ किया है कि सर्वे टीम पर कोई हमला नहीं किया गया है। यह उस कॉलोनी में रहने वाले दो लोगों के बीच लड़ाई का आपसी मामला था। एडिशनल एसपी जयवीर सिंह के अनुसार कमल और विनोद नामक व्यक्तियों का विवाद पारस बोरासी से हुआ है कुछ दिन पूर्व सामने की ओर एक लाइट लगाई गई थी जिसे लेकर इनका पुराना विवाद है। इस विवाद के दौरान पत्थर भी चलाए गए थे।

उन्होंने बताया कि इसी समय सर्वे टीम का कार्य भी चल रहा था। पारस बोरासी को लगा कि मोबाइल में वह महिला पुलिस को सूचित कर रही है। इसलिए उसने महिला का मोबाइल तोड़ा दिया। सर्वे टीम के साथ किसी भी प्रकार का या स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ किसी भी प्रकार का विवाद या हाथापाई नहीं हुई है। पुलिस स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ सदैव है। उन्हें किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी चाहिए।

सोपोर में आतंकी हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद

शहीद जवान
हेड कांस्टेबल- राजीव शर्मा
कांस्टेबल- सीबी बाखरे कांस्टेबल - परमार सतपाल
घायल जवान
हेड कांस्टेबल - विश्वजीतघोष
कांस्टेबल/ड्राइवर - जावेद अहमद

जम्मू : उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में आतंकियों द्वारा सुरक्षाबलों पर किए गए हमले में सीआरपीएफ के तीनजवान शहीद हो गए हैं और दो घायल हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को सोपोर के नूरबाग इलाके में अहद बब क्रॉसिंग के पास आतंकियों ने जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की ज्वाइंट नाका पार्टी पर फायरिंग की गई। इस दौरान आतंकियों ने वहां खड़ी एक सीआरपीएफ की गाड़ी को निशाना बनाया। इस हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद हो गए और दो घायल हैं। घायलों कोएसडीएच सोपोर ले जाया गया है, जहां इनका उपचार चल रहा है। इस घटना की पुष्टि करते हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के कश्मीर रेंज के आईजी विजय कुमार ने बताया कि हमले में तीनसीआरपीएफ के जवान शहीद हुए हैं। बता दें कि हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी करआतंकियों की तलाश में अभियान शुरू कर दिया है।

दुबई में फंसे ३० हजार से ज्यादा नागरिकों को भूली सरकार

यूएई की धमकी के बाद भी नहीं पिघली

मोगा : कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन और कर्फ्यू के बीच ३० हजार से ज्यादा भारतीय नागरिक दुबई में फंसे हैं, जिन्हें सरकार भूल गई है। यूएई की धमकी के बाद भी सरकार नहीं पिघली। दरअसल, कोरोना वायरस से अपने नागरिकों को बचाने के लिए दुनिया का हर देश नए-नए हथकंडे अपना रहा है, लेकिन लॉकडाउन से लेकर कर्फ्यू लगाने के बावजूद दुनिया के कई देशों में रोजाना की तर्ज पर कोरोना के नए केस आ रहे हैं।

इसके चलते यूएई (संयुक्त अरब इमारत) सरकार ने बीते दिनों फैसला लिया कि दुबई समेत पूरे यूएई में गैर मुल्क नागरिक अपनी मर्जी से जाना चाहते हैं तो यूएई सरकार उन्हें अपनी एयरलाइन के स्पेशल विमान से उनके अपने वतन पहुंचा देगी। इस फैसले का कारण यह भी था कि यूएई में लॉकडाउन के बाद से लगभग सभी कंपनियां बंद हो गईं और सारा कामकाज ठप हो गया है, जिस वजह से लोग बेरोजगार हो गए हैं।

इसलिए भारतीय व पाकिस्तानी नागरिक सोशल मीडिया के जरिए अपने देश की सरकारों से अपील कर रहे थे कि उनके पास खाने के लिए पैसे नहीं बचे हैं, ऐसे में उन्हें अपने वतन बुलाया जाए। इस मद्देनजर यूएई सरकार ने करीब सात देशों को संदेश भेजा कि वह अपने अपने नागरिकों को यूएई से वापस अपने देश बुलाएं, लेकिन इस संदेश को भारत और पाकिस्तान की सरकार ने यह कहकर ठुकरा दिया कि फिलहाल वह बाहर से अपने नागरिकों को बलाने की स्थिति में नहीं हैं।

धमकी मिलने के बाद बुलाने को तैयार हुआ पाकिस्तान

दो दिन बीतने के बाद भी जब भारत व पाकिस्तान ने अपने नागरिकों को वापस बुलाने के लिए हां नहीं की तो यूएई सरकार ने सीधे तौर पर धमकी दी। एलान किया गया कि यूएई सरकार कोरोना खत्म होने के बाद भारत व पाकिस्तान के साथ किए गए समझौतों में कटौती करेगी। इसका मतलब ये हुआ कि यूएई सरकार दोनों मुल्कों के प्रति सख्त रवैया अपनाएगी। इस धमकी के बाद पाकिस्तान की सरकार ने फैसला लिया कि वह यूएई में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए तैयार है, जिसके चलते गत मंगलवार को दुबई से दो विमान पाकिस्तान भेजे गए। लेकिन भारत सरकार ने यूएई में फंसे नागरिकों को बुलाने के लिए कोई फैसला नहीं लिया है, जिससे यूएई में फंसे भारतीय नागरिकों में खासा रोष है।

यूएई सरकार ने भारतीयों को राहत दी

एक अनुमान के अनुसार, इस समय यूएई में लगभग ३० हजार के करीब भारतीय नागरिक हैं, जो तत्काल भारत लौटना चाहते हैं। कोरोना संकट को देखते हुए यूएई सरकार ने एलान किया है कि देश में रह रहे सभी रेजिडेंस, विजिटर्स और टूरिस्टों का वीजा बिना किसी आवेदन व फीस, जुर्माना के ३१ दिसंबर २०२० तक बढ़ाया जाता है। इससे भारतीयों को यूएई में काफी राहत मिली है।

...इलाज को पैसे नहीं कभी भी मर सकती है मां

शारजाह में रह रहे एक भारतीय परिवार ने यूएई के मीडिया गल्फ न्यूज से बातचीत में बताया कि वह परिवार समेत टूरिस्ट वीजा पर यूएई आए थे। वे यहां काम करके अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले थे, लेकिन लॉकडाउन की वजह से सब कुछ बंद हो गया। उनके पास जो पैसे थे वह घर का किराया और राशन पानी में खर्च हो गए। अब हालात ऐसे हैं कि घर में बुजुर्ग मां की दवा के लिए पैसे नही हैं और उनकी हालत काफी गंभीर है। अगर जल्दी ही भारत आकर उसी डॉक्टर से मां का उपचार नहीं करवाया गया, जिससे पहला उनका उपचार करवाया जा रहा था तो किसी भी समय उनकी जान भी जा सकती है। ऐसे ही कई किस्से हैं.

हैरान करने वाला रहस्यमयी आईलैंड

भारत मे मिलता है सबसे बड़ा कछुआ

भारत में यूं तो कई ऐसी जगहें हैं जो ना केवल रहस्यमयी हैं, बल्कि दुनिया के लिए आश्चर्य बनीं हुई हैं, लेकिन आइए आपको बताते हैं देश के ऐसे आईलैंड के बारे में जो ना केवल रहस्यमयी है, बल्कि वहां कई ऐसी बातें हैं जो दुनिया के लिए आश्चर्य बनीं हुई हैं. दरअसल, हम बात कर रहे हैं भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के बारे में. इस द्वीप पर हर साल लाखों टूरिस्ट छुट्टियां मनाने आते हैं, लेकिन इस द्वीप के कई ऐसे फैक्ट्स हैं, जिनके बारे में आप शायद नहीं जानते होंगे. हम उन्हीं कुछ रहस्यों पर से पर्दा उठा रहे हैं, जिन्हें लोग नहीं जानते हैं. अंडमान निकोबार को जारवा, आंगे, सेंटलिस और सेम्पियन आदि प्रजाति का द्वीप माना जाता है.

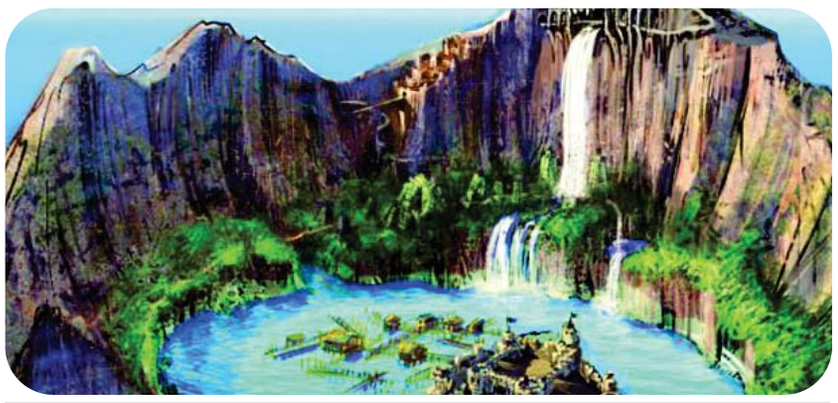

सरकार के द्वारा संरक्षित जनजाति

ये आदिवासी यहां के निवासी माने जाते हैं, जो सदियों पहले अफ्रीका से माइग्रेट होकर अंडमान पहुंचे.यहां के निवासी मुख्यतः 'जार्वा' जनजाति से हैं. यह 500 से भी कम की संख्या में हैं और बाहरी लोगों से बिल्कुल घुलते मिलते नहीं हैं. ये सरकार के द्वारा संरक्षित जनजाति है. यहां पर पर सबसे ज्यादा बंगाली भाषा बोली जाती है. इसके अलावा हिन्दी, तमिल, तेलगू और मलयालम भाषा बोलने वाले लोग हैं.

चुनिंदा लोगों को जाने की इजाजत

इस बेहद चर्चित कुल 572 आइलैंड्स में से 36 जगहें ही जाने या बसने के लायक हैं. निकोबार में जाने के लिए सिर्फ रिसर्च या सर्वे के लिए ही चुनिंदा लोगों को इजाजत मिलती है. टूरिस्ट के लिए भी यहां जाना बेहद मुश्किल है. यहां पर सबसे ज्यादा समुद्री कछुआ पाया जाता है. धरती का सबसे बड़ा कछुआ यहीं पाया जाता है. यह साइज में बेहद बड़े होते हैं. धरती का सबसे छोटा कछुआ ओलिव राइडली भी अंडमान पहुंचकर आसरा बनाता है.

भारत में एक ही सक्रिय ज्वालामुखी

भारत में एक ही सक्रिय ज्वालामुखी है और ये अंडमान में स्थित है. ये आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से 135 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. यहां जाकर आप इस ज्वालामुखी को देख सकते हैं. डेनिश कॉलोनियल रूल यहां साल 1868 में खत्म हुआ था. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ब्रिटिशर्स ने इसे खरीद लिया था. इसके बाद आइलैंड का पूरा अधिकार अंग्रेजों के हाथ में चला गया. डेनिश कॉलोनियल रूल यहां साल 1868 में खत्म हुआ था. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ब्रिटिशर्स ने इसे खरीद लिया था. इसके बाद आइलैंड का पूरा अधिकार अंग्रेजों के हाथ में चला गया.

कमर्शियल फिशिंग बैन

अंडमान में कमर्शियल फिशिंग पूरी तरह से बैन है. यह धरती की उन चुनिंदा जगहों में से हैं जहां मछलियों को उम्र पूरी कर मरने का अवसर मिलता है और वह अपनी जिंदगी जीती है. अंडमान में कोकोनट क्रैब बहुत ज्यादा पाए जाते हैं. ये जमीन पर पाए जाने वाले सबसे विशाल क्रेब होते हैं, जिनकी लंबाई 1 मीटर तक हो सकती है. इनका पसंदीदा आहार कोकोनेट होता है. यह अपने मुंह से नारियल के मजबूत खोल को भी तो? इंडिया में केवल अंडमान में ही आपको वाल्केनो देखने को मिलता है.

हसीन रंगीन सांप!

अल्बीनो बॉल पायथॉन

अल?बीनो बाल पायथन दुनिया में सबसे ज?यादा पाला जाने वाला सांप है। वेस?ट अफ्रीका में खासतौर पर मिलने वाले इस सांप के सुर्ख पीले शरीर पर सफेद रंग की धारियां होती हैं। यही नहीं इतने खूबसूरत शरीर पर लाल-लाल आंखें इसे बहुत ही खास बनाती हैं।

ब्लू रेसर स्नेक

खूबसूरत नीला 'ब्लू रेसर स्नेक' दक्षिणी पेंसलवेनिया में पाया जाता है। 5 से 6 फीट लंबा ये स्नेक यहां लगभग हर जगह पाया जाता है।

झील के किनारों से लेकर बरसाती जंगलों और लकडी के मकानों में सभी जगह मिलने वाला यह सांप पूरी तरह नीला होता है। इसकी चमक वाकई आकर्षित करने वाली है।

ओरियंटल वहिप स्नेक

य चमकदार पतला और हरा व?हिप स?नेक जहरीला होता है। यूं तो यह सांप काफी पतला है, लेकिन इसके मुंह में बड़े आकार के दांत होते हैं, जिनकी मदद से ये डसता है। हरे भरे रंग वाले इस सांप को हरियाली काफी पसंद है। यह खेतों से लेकर रिहायशी इलाकों तक सभी जगह पाया जाता है।

ब्लैक सपिटिंग कोबरा

ब?लैक स?पिटिंग कोबरा सांप अफीका के सहारा में पाया जाता है। काले और सफेद रंग के मेल वाला यह सांप 7 फीट से ज?यादा लंबा होता है। यह सांप जितना खूबसूरत है उतना ही ज?यादा खतरनाक भी। खतरा महसूस होने पर यह कोबरा अपने फन से बहुत दूर तक जहर फेंक सकता है। जहर फेंकने की इसी खासियत के कारण इसे स?पिटिंग कोबरा कहते हैं।

रेड हैडेड करैत

गहरे नीले शरीर और लाल मुंह वाला यह सांप खूबसूरती के मामले में दुनिया में नंबर एक पर है। दक्षिणी थाईलैंड की पहाड़ी ढलानों पर पाया जाने वाला यह करैत सांप 7 फीट तक लंबा हो सकता है। यह जितना खूबसूरत है उतना ही ज?यादा जहरीला भी। इसके नीले शरीर पर लाल रंग की पूछ और मुंह बहुत ही शानदार लगता है।

इंडिगो ईस्टर्न रैट स्नेक

अमेरिका के फ्लोरिडा और जॉर्जिया स?टेट में पाया जाने वाला ये रैट स?नेक 8 फीट तक लंबा होता है। इतनी लंबाई के बावजूद इसकी फुर्ती देखने लायक है। नीले-काले रंग वाला यह खूबसूरत सांप है तो खतरनाक ले कि न

य ह डरता भी बहुत है।

ल्यूस्टिक टेक्सास रैट स्नेक

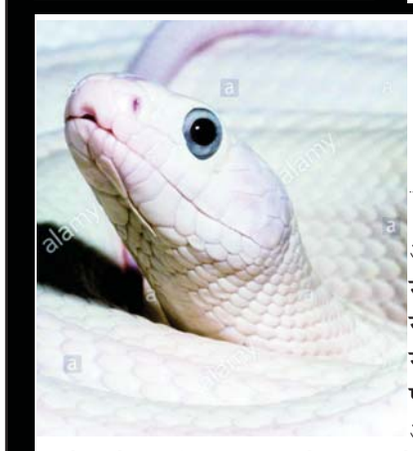

पांच नंबर पर है, अमेरिका के टेक?सास स?टेट में पाया जाने वाला यह रैट स?नेक। यह जितना गोरा है उतना ही ज?यादा फुर्तीला भी है। 6 फीट लंबे और हल?का पीलापन लिए इसके सफेद शरीर पर मिलजुले आकार के धब?बे पड़े होते हैं, लेकिन यही उसकी खूबसूरती है।

विचित्र जानवर

बड़ी ही चित्र और विचित्र चीजों से भरी पड़ी है आप ने ऐसी बहुत सी विचित्र चीज़े देखी भी होगी . परन्तु आज जो हम आपको दिखाने वाले है वह बहुत ही ज्यादा विचित्र है और यह आपने आज से पहले कभी देखा भी नही होगा . आज हम आपको कुछ ऐसे विचित्र जानवरों से रूबरू कराने जा रहे है. जो आपने पहले कभी नही देखे होंगे. दरअसल हम आपको बता दे जो जानवर आज हम आपको दिखाने जा रहे है इन जानवरों की उत्पत्ति दो जानवरों के डी. एन. ऐ. छेड़छाड़ करके हुई है . आइए देखते है इन जानवरों को करीब से .

क्या आपने कभी जेब्रा रंग का हाथी देखा है अगर आपने नही देखा तो आज देख लीजिये. दरअसल हम आपको बता दे इस जेब्रा हाथी की उत्पत्ति जेब्रा और हाथी के डी. एन. ऐ से छेड़छाड़ करके हुई है. इन हाथी की जनसख्या अभी केवल 1 दर्जन के करीब ही है . इस हाथी की उत्पत्ति अमेरिका के जीव वैज्ञानिको द्वारा की गयी है .

क्या आपने कभी घोड़े की शक्ल का कुत्ता देखा है यदि आपने आज तक नही देखा तो आज आप देख सकते है. हम आपको बता दे इस कुत्ते का जन्म घोड़े और फीमेल डॉग के डी. एन. ऐ. से छेड़छाड़ करके हुआ है. इस कुत्ते को होरडॉग नाम दिया गया है. जानकारों के मुताबिक इस कुत्ते का स्वभाव बहुत ही शांत है .

लाइगर नाम का जानवर देखा है यदि नही देखा तो आज देख लीजिये . दरअसल हम आपको बता दे की इस लाइगर नाम के जानवर का जन्म मेल लायन और फीमेल टाइगर के डी. एन. ऐ. से छेड़छाड़ करके हुआ है. वैज्ञानिको ने इसीलिए ही इसका नाम लाइगर रखा है .

क्या आपने कभी कामा नाम का जानवर देखा है यदि आपने नही देखा तो आज हम आपको यहं जानवर भी दिखाने वाले है . दरअसल हम आपको बता दे की इस कामा नाम के जानवर की उत्पत्ति कैमल और लामा नाम के जानवर के डी . एन . ऐ . के साथ छेड़ छाड़ करके हुई है . जिस कारण से अब इस जानवर को कामा नाम दे दिया गया है

बॉडी बिल्डींग का शौक ऐसा भी

एक पैर पर चलकर जीत रहे मेडल

गुड़गांव. बचपन से ही बॉडी बिल्डिंग का शौक था। 11 साल की उम्र में बोन कैंसर होने के कारण एक पैर गंवा दिया। इसके बावजूद सोनीपत के मोहित ने बचपन की अपनी ख्वाहिश को पूरा करने की ठानी और एक पैर पर चलने का पहले प्रैक्टिस किया और अब एक पैर पर ही बॉडी बिल्डिंग में हिस्सा ले रहा है। पिछले एक साल में ही मोहित ने नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में तीन गोल्ड, दो सिल्वर दो ब्रांज मेडल अपने नाम किए हैं।11 साल की उम्र में मोहित को हुआ बोन कैंसर.

11 साल की उम्र में वर्ष 2009-10 में मोहित को बोन कैंसर हो गया। पैर में अधिक दिक्कत आने के कारण दिल्ली स्थित भारतीय रेलवे के सेंट्रल हॉस्पिटल में एक पैर काटना पडा।

- ऐसे में पूरा परिवार मोहित के दिव्यांगना को लेकर परेशान हो गया पर मोहित ने अपने शौक की उम्मीद नहीं छो?ी और पहले उसने वर्ष 2010 में कृत्रिम पैर लगंवाया, लेकिन साल 2015 में दूसरा पैर फिसलने के कारण कृत्रिम पैर भी गवा दिया।

- इसके बावजूद भी मोहित ने अपना हौसला बनाए रखा और एक पैर पर ही चलने की प्रैक्टिस की। आज मोहित एक पैर से ही पूरा बैलेंस बनाकर चलता है और पूरे जोश के साथ बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेता है। बॉडी बिल्डिंग में हिस्सा लेने के लिए उसके गुरु संपत सिंह ने प्रेरित किया था।

मिस्टर यूनिवर्स बनना है अगला टार्गेट

- मोहित का अगला लक्ष्य बॉडी बिल्डिंग में मिस्टर यूनिवर्स बनना है।

- गुड़गांव के पालम विहार बॉडी बिल्डिंग में हिस्सा लेने पहुंचे मोहित ने से खास बातचीत में बताया कि पैर गंवाने के बाद पेरेंट्स चाहते हैं कि उसे मिल जाए तो जीवन आसानी से कट जाएगा।

अनोखी तस्वीरोंकी दुनीया

आज हम कुछ ऐसी अनोखी तस्वीरें देखेंगे जिन्हें आपने पहले शायद ही कभी देखा होगा। तो आइए देखते हैं इन तस्वीरों को।

यह काफी अनदेखी तस्वीर है जिसमे ऐक पेड़ है और इसमें ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे कोई महिला डांस पोज़ दे रही हो।

2. यह ऑस्ट्रेलिया की एक लेक है जिसे पिंक लेक के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी लेक आपने शायद ही कभी देखी होगी।

3. ये एक ऐसा पौधा है जो मांसाहारी है। सुनने में भी अजीब लग रहा होगा, मगर ये सच है। यह पौधा कीड़े खाता है।

4. यह तस्वीर इंग्लैंड के एक समुद्री तट की है। यह ऐसा लग रहा है कि मानो कोई पत्थर का घोड़ा समुद्र से पानी पी रहा हो।

5. यह तस्वीर आपको किसी वॉलपेपर की तरह लग रही होगी। मगर यह बिल्कुल असली तस्वीर है। यह तस्वीर नामीबिया के एक बंजर जगह की है।

6. यह रंग बिरंगी तस्वीर एकदम असली है। इसको फ्लाई गीजर के नाम से जाना जाता है।

7. यह एक भूदृश्य है जो प्रकृति की एक अनोखी रचना है। यह जगह अमेरिका के एरिज़ोना में स्तिथ है।

8. इस तस्वीर में बिजली गिरने के साथ इंद्रधनुष भी है जो प्रकृति का एक अनोखा मिश्रण है। ऐसी तस्वीर शायद ही कभी देखने को मिलती है।

कब्रों का तहखाना

इंटरनेट डेस्क। दुनिया में बहुत सारे म्यूजियम हैं जिनमें पुरानी और एंटिक चीजों को संभालकर रखा जाता है। वहीं आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि एक जगह ऐसी भी है जहां पर चीजों को नहीं बल्कि मरे हुए व्यक्तियों को रखा जाता है। आपको बता दें कि इटली के सिसिली में स्थित द कैप्युशिन कैटकॉम्स में सदियों पुराने शवों को अब तक सुरक्षित रखा गया है।

यहां 16वीं सदी के 8 हजार शवों को इस जगह पर दीवारों पर लटकाकर रखा गया है। जहां सदियों पुराने कंकाल रखे हों वह जगह कितनी डरावनी होगी आप ये सोचकर ही इसका अंदाजा लगा सकते हैं। वहीं जब आप इस जगह पर जाएंगे तो देखेंगे कि कब्रों के इस तहखाने में पहुंचने के लिए आपको अंधेरी और संकरी गलियों से गुजरना होगा। यहां आपको महिलाओं, पुरूषों और बच्चों सभी के शव देखने को मिल जाएंगे। सभी के शवों को अलग-अलग सेक्शन में रखा गया है। यहां पर कुछ ताबूत भी हैं जिनमें ममी को संभालकर रखा गया है। आपको बता दें कि 1880 में इस कब्रिस्तान को बंद करवा दिया गया था लेकिन इसके बाद भी फीस लेकर यहां कुछ शवों को रखा जाता था।

देखते ही देखते यहां शवों को रखने का चलन ब?ने लगा और यहां पर अमीरों और रूतबेदार लोगों के शवों को रखा जाने लगा। यहां मुर्दों को तभी तक रखा जाता है जब तक की उसकी फीस मिलती है जैसे ही फीस मिलना बंद हो जाती है उस मुर्दे को यहां से हटा दिया जाता है।

इतिहास का सबसे बड़ा बलिदान

भारतीय इतिहास में राजा ओं का इतिहास तो हमने पढ रखा है। और रानी यों का इतिहास भी हमने पढ रखा है। लेकिन आज हम एक ऐसी रानी के इतिहास को बताने जा रहे है। जिसने विवाह के सात दिन बाद ही खुद की गर्दन काटकर अपने राजा को निशानी के रूप में युद्ध में भेजी आइ थे जानते है। उस महान रानी के बलिदान को।

हाडी रानी

राजस्थान पुलिस में महिला बटालियन का नाम भी हाडी रानी हैं। हाडी रानी राजस्थान के बूँदी के हाडा षाष्क की बेटी थी। वह उनका विवाह मेवाड उदयपुर के राव रतन सिंह चूडावत से हुआ था। अभी विवाह को सात दि नही हुए थे। अचानक महाराणा का एक दूत महाराणा का संदेश पत्र लेकर उनके महल मे आया अचानक दूत को महल मे देख कर राजा को एहसास हा गया था। जब दूत ने अपने महाराण का संदेश पत्र जब राजा को दिया पत्र को देखते ही राजा चोंक गया।

पत्र में क्या लिख हुआ था।

पत्र मे राणा राज सिंह ने लिखा मैंने औरंगज़ेब कि सेना को चारों तरफ से घेर रखा है। वह अन्य मुगल सेना औरंगज़ेब की सहायता करने हेतु आगे बढ़ रही है। आप उन मुगल सेना को बीच में ही रोके। यह सब देख राजा थोड़े से उदास होकर फिर सीधे अपनी युद्ध पोशाक में तैयार होकर रानी के सामने आ गये रानी को पहले ही अंदाजा हो गया था। उस दूत को देखकर की कोई गंभीर मसला है।अब राजा के सामने मुश्किल की घडी आ पडी एक तरफ नई दुल्हन एक तरफ युद्ध फिर भी राजा अपनी रानी से विदा लेने पहुँचा शायद फिर मुलाकात हो ना हो रानी को उनके हाव भाव से लगा राजा मेरे कारण चिंतित हो रह। तब रानी ने उनको खुशी से आरती करके युद्ध के लिये विदा किया।

स्विट्जरलैंड के आल्प्स पर्वत पर चमका तिरंगा

पीएम बोले- इंसानियत की जीत होगी

नई दिल्ली : पूरी दुनिया इस समय कोरोना वायरस के खतरे सेजूझ रही है। इसके चलते हमारे देश में लॉकडाउन जारी है, जिसकी वजह से लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। कोरोना के संकट को देखते ही भारत सरकार ने जिस तेजी से निर्णय लिए, उसकी प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे संगठन भी कर चुके हैं। कोरोना से लड़ने के भारत के तरीके की दुनियाभर में सराहना हो रही है। स्विट्जरलैंड ने भी भारत की प्रशंसा की है, हालांकि उसका तरीका थोड़ा अनूठा रहा। दरअसल स्विट्जरलैंड ने आल्प्स के मैटरहॉर्न पर्वत पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की रोशनी की।

इस रोशनी के जरिए स्विजट्जरलैंड ने कोरोना महामारी से जीतने की उम्मीद और जज्बे का संदेश दिया है। स्विट्जरलैंड में भारतीय दूतावास ने इस फोटो को ट्विटर पर शेयर किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा कि पूरी दुनिया कोविड-१९ से लड़ाई में एकजुट है। मानवता निश्चित रूप से इस महामारी से जीतेगी। स्विट्जरलैंड के मशहूर लाइट आर्टिस्ट गेरी हॉफस्टेटर ने १४,६९० फीट के पहाड़ को तिरंगे के आकार में रोशनी दी थी। बता दें कि इस पहाड़ पर २४ मार्च से कोरोना महामारी के खिलाफ दुनिया की एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए हर दिन अलग-अलग देशों के झंडों को दर्शाती हुई रोशनी की जाती है।

इस पहाड़ पर स्विट्जरलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, इटली और स्विस क्षेत्र टिसिनो के झंडों को दर्शाती हुई रोशनी की जा चुकी है। गेरी हॉफस्टेटर ने बताया कि प्रकाश का मतलब आशा और उम्मीद होता है। गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड में अब तक १८,००० से अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं जबकि ४३० लोगों की जान भी जा चुकी है। इस वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने स्कूल, बार, रेस्तरां और गैर जरूरी चीजों की दुकानें बंद कर दी हैं।

कैंसर मरीज के लिए मसीहा बना पुलिसकर्मी

९६० किमी स्कूटी चलाकर पहुंचाई दवा

बंगलूरू : कोरोना वायरस महामारी की वजह से देशभर में लॉकडाउन का दूसरा चरण चल रहा है। लॉकडाउन की वजह से कुछ लोगों को खाने और दवाइयों की समस्या आ रही है। इस तरह के लोगों की समस्या दूरकरने के लिए कोरोना योद्धाभी लगे हुए हैं। ये योद्धा मुश्किल घड़ी में लोगों के लिए मसीहा बनकर सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कर्नाटक से सामने आया है। कर्नाटक में कैंसर के एक मरीज की दवा खत्म हो गई थी और उसे दवाइयों की सख्त जरूरत थी। ऐसे में कर्नाटक पुलिस का एक जवान ९६० किलोमीटर तक स्कूटी चलाकर व्यक्ति को दवाई पहुंचाकर आया। इस कोरोना योद्धा की हर कोई तारीफ कर रहा है।

कर्नाटक के धारवाड़ में रहने वाले उमेश कैंसर के मरीज है।उन्हें दवाइयों की सख्त जरूरत थी। उनकी दवाएं सिर्फ बंगलूरू में ही मिल सकती थीं। १० अप्रैल को बंगलुरु पुलिस के ४७ वर्षीय हेड कांस्टेबल एस कुमारस्वामी ने एक स्थानीय समाचार चैनल पर एंकर और धारवाड़ निवासी उमेश की बातचीत सुनी। उमेश बता रहा था कि उसे रविवार तक यह दवा अवश्य लेनी थीं लेकिन लॉकडाउन के चलते बंगलूरू से दवा नहीं आ पा रही हैं।

दोनों की बात सुनकर कुमारस्वामी ने मरीज तक दवा पहुंचाने का मन बना लिया और वो अगले दिन अपनी शिफ्ट समाप्त होने के बाद न्यूज चैनल के ऑफिस पहुंचे। वहां से उन्होंने उमेश का नंबर लिया। इसके बाद उन्होंने बंगलूरू के डीएस रिसर्च सेंटर से दवाइयां लीं और एसीपी अजय कुमार सिंह से धारवाड़ जाने की इजाजत मांगी। एसीपी ने उन्हें धारवाड़ जाने की अनुमति दे दी। शनिवार सुबह चार बजे वो धारवाड़ के लिए निकले और २.३० बजे वहां पहुंच गए। केवल पानी और बिस्कुट के सहारे उन्होंने १० घंटे का सफर तय किया। कुमारस्वामी जब उमेश के घर पहुंचे तो वो उन्हें देखकर दंग रह गए।

कुछ देर उमेश के घर रुकने के बाद कुमारस्वामी वापस बंगलूरू के लिए निकल गए। लगातार १८ घंटे से स्कूटी चलाकर थक चुके कुमारस्वामी रात १०.३० बजे चित्रदुर्ग के फायर स्टेशन पहुंचे और वहां रात को विश्राम किया। अगले दिन सुबह ५.३० बजे वे फिर बंगलुरु के लिए निकल पड़े और सुबह १०.३० बजे पहुंच गए। कुमार स्वामी ने बताया कि उनका धारवाड़ से कोई रिश्ता नहीं है, वे रामनगरा के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा मैंने बस आत्मा की आवाज सुनी और निकल पड़ा। कुमारस्वामी की हर तरफ तारीफ हो रही है। बंगलूरू के सिटी कमिश्नर भास्कर राव ने कुमारस्वामी को सम्मानित किया।

बाहर निकलने पर कड़ी कार्रवाई

जिल्हा प्रतिनिधी

नंदुरबार : नंदुरबार शहर के वार्ड नंबर १० क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव रोगियों के पाए जाने के कारण, शहर को संचार अवरोध का सख्ती से पालन करना चाहिए और नागरिकों को घर पर रहना चाहिए। अनावश्यक रूप से बाहर निकलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ऐसी चेतावनी जिला कलेक्टर डॉ. राजेंद्र भारुड ने दी है।

२० अप्रैल की आधी रात तक चिकित्सा सुविधाओं और फार्मेसी को छोड़कर सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। रोगी के परिवार के ६ सदस्यों के स्वाबों को लिया गया और उन्हें छोड़ दिया गया। एक डॉक्टर और पांच अन्य स्टाफ सदस्यों और तीन अन्य करीबी रिश्तेदारों सहित कुल १५ व्यक्तियों को निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां मरीज का इलाज किया गया और उसे छोड़ दिया गया। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों को भी प्रतिबंध का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक सावधानी बरती जा रही है। नागरिकों को घर नहीं छोड़ना चाहिए। अपना ख्याल रखना। मास्क के उपयोग, हाथों की नियमित धुलाई, सैनिटाइजर के उपयोग जैसे उपायों पर जोर देना चाहिए। यदि आप खांसी, सांस की तकलीफ और बुखार जैसे लक्षणों का अनुभव करते हैं, तो आपको तुरंत अस्पताल का चेकअप करवाना चाहिए। डॉ भारूड ने अपील की कि नागरिकों को डरना नहीं चाहिए और प्रशासन के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे कर्मचारियों की मौत पर दिल्ली सरकार देगी १ करोड़ रुपये

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस को हराने के लिए युद्ध स्तर पर लड़ाई जारी है। इसी बीच शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कोरोना वॉरियर्स के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित किसी मरीज का इलाज करने या उसकी किसी दूसरी तरह से मदद करने पर संक्रमित हो जाने के कारण अगर किसी की मौत हो जाती है, तो उसके परिजनों को दिल्ली सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कर्मियों के अलावा भी जो कर्मचारी इस समय दिन-रात लोगों की मदद कर रहे हैं, अगर उन्हें कुछ होता है तो मरणोपरांत उनके परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

इसके साथ ही केजरीवाल मे थोड़ी राहत भरी खबर भी दी है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली में २२७४ नमूनों की जांच की गई, जिसमें ६७ मामले कोरोना पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में राजधानी में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या कम हुई है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह संख्या और भी नीचे जाएगी। इससे दिल्लीवासियों में भी कोरोना पर जीत हासिल करने के लिए नई उम्मीद जागी है। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान लोगों से घरों में रहने की अपील की। कहा कि मैं आप सभी से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि घरों से ना निकलें। कोरोना से सुरक्षा आपके खुद के हाथ में है। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में ७१ लाख लोगों को अब तक प्रति व्यक्ति ७.५ किलो राशन मिल चुका है। बिना राशन कार्ड के ३.५ लाख लोगों को भी राशन मिल चुका है। इसके साथ ही सभी ऑटो चालक, ई रिक्शा, ग्रामीण सेवा के चालकों बैंक खातों में ५००० रुपये की सहायता राशि पहुंचने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस तरह डाउनलोड और इस्तेमाल करें आरोग्य सेतु एप

नागपुर : COVID-19 संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। खास बात है कि यह प्राइवेसी के लिए खतरा नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। इसे लेकर सरकार एक वीडियो भी जारी कर चुकी है। जिसमें यूजर्स को ऐप के बारे में सही जानकारी दी गई है। इसका मकसद केवल संक्रमितों पर नजर रखना है। खास बात है कि इसे १३ दिनों के भीतर पांच करोड़ ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोग्य सेतु एप को डाउनलोड करने की अपील की थी। जिससे आसपास कोरोना संक्रमित मरीजों के बारे में जानकारी और उससे बचाव के बारे में पता चल सकता है। लॉकडाउन के दौरान तरह-तरह के भ्रमित करने वाले संदेश वायरल होने से गलतफहमी बढ़ रही है। लोगों को सही जानकारी देने के लिए सरकार ने आरोग्य सेतु एप शुरू किया है। जिला परिषद सीईटो योगेश कुंभेजकर के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में अभी तक ७ हजार से अधिक लोगों ने एप डाउनलोड किया है।

जिले की १३ तहसीलों में ७६८ ग्राम पंचायतें हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में २४ लाख नागरिक रहते हैं। कोरोना संक्रमण फिलहाल शहरों तक सीमित है। इसकी रोकथाम के लिए सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता जरूरी है। संक्रमण रोकने के लिए आरोग्य सेतू एप में संक्रमितों को ट्रेस किया जाता है।

कैसे करता है काम

आप सुरक्षित है या नहीं, इसकी आसानी से जानकारी मिल सकती है। इस एप में मोबाइल नंबर ब्लूटुथ और लोकेशन का डेटा इस्तेमाल किया जाता है। एप डाउनलोड करने पर मोबाइल नंबर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर उस व्यक्ति के मोबाइल पर अलर्ट किया जाता है।

गूगल प्ले से डाउनलोड करें

एप में कोरोना के लक्षण पता लगाने के लिए स्वमूल्यांकन सुविधा सहित कोरोना हेल्पलाइन नंबर दिए गए हैं। एप डाउनलोड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर में जाकर आरोग्य सेतु नाम से सर्च करने पर एप डाउनलोड किया जा सकता है।

२० अप्रैल के बाद शर्तों के बाद शुरु होगी व्यवसायिक गतिविधिया: सीएम ठाकरे

मुंबई : आगामी २० अप्रैल के बाद राज्य के कुछ इलाकों में कुछ शर्तों के साथ उद्योग व व्यापारिक गतिविधियां शुरु होगी। इसको लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर घोषित कंटोनमेंट क्षेत्र को छोड़ कर अन्य जगहों पर स्थानीय प्रशासन अधिकार से ये संशोधिक आदेश लागू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश के मुताबिक यह लॉकडाउन ३ मई तक लागू रहेगा। इसका का कड़ाई से पालन होगा। कहीं पर भी भीड़ भाड़ नहीं होने दिया जाएगा। धार्मिक उत्सव, प्राथर्नास्थलों में भीड़, सम्मेलन, खेल प्रतियोगिता, सभा आदि के आयोजन पर रोक जारी रहेगी। जबकि इस दौरान आवश्यक सेवा जारी रहेगी।

पीटरसन ने बताया धोनी को अब तक का सर्वश्रेष्ठ कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क : इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा है कि दो बार के विश्व कप विजेता महेंद्र सिंह धोनी अब तक के सर्वश्रेष्ठ कप्तान हैं। पीटरसन ने कहा कि धोनी की महानता पर सवाल उठाना असंभव है।

उन्होंने स्टार स्पोर्टस से कहा, अपेक्षाओं के इतने भारी बोझ के बीच उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उस पर सवाल उठाना काफी कठिन है, उनसे इतनी अपेक्षाएं रही है और उनके बीच जिस तरह से उन्होंने भारतीय टीम और चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की है।' भारत ने धोनी की कप्तानी में २००७ टी-२० विश्व कप और २०११ विश्व कप जीता। भारत ने धोनी के कप्तान रहते २०१३ चैम्पियन ट्रॉफी भी जीती थी।

विदेश में भी खेलने को तैयार आरसीबी कोच कैटिच

स्पोर्ट्स डेस्क : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के मुख्य कोच साइमन कैटिच को २०२० इंडियन प्रीमियर लीग भारत के बाहर खेलने से कोई गुरेज नहीं है। साथ ही उन्हें इस टी-२० लीग के साल के अंत में आयोजित होने का भरोसा है। बीसीसीआई ने कोविड-१९ महामारी के चलते आईपीएल को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है।

आईपीएल के आयोजन को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में साइमन कैटिच ने एसईएन रेडियो से कहा, यह भले ही ऑस्ट्रेलिया में हो या कहीं और, यह बातचीत का अगला दिलचस्प मुद्दा है। कुछ टीमें होंगी जैसे हम, जो इसके विदेश में खेले जाने से भी बहुत खुश होंगे, क्योंकि हमारे ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के हैं जो ऑस्ट्रेलिया में इन हालात का सचमुच लुत्फ उठाएंगे।

पीसीबी ने कोविड १९ के खिलाफ लड़ाई में किया सहयोग

नई दिल्ली : कोविड १९ महामारी की चपेट में पाकिस्तान भी है और इसके खिलाफ चल रही लड़ाई में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी आगे आकर अपना योगदान दिया है। पीसीबी ने कोरोना महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में योगदान देते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये से अधिक की राशी डोनेट की है। पीसीबी ने इसके लुए कुल १,०५,३६,५०० रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराया है। इससे पहले पीसीबी ने २५ मार्च को ही ये घोषणा कर दी थी कि केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी आपात राहत कोष में सामूहिक तौर पर योगदान देंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन एहसान मनी ने कहा कि कोविड १९ महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग देने के लिए मैं सभी पीसीबी स्टाफ व केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों का धन्यवाद अदा करता हूं। एक बार फिर से क्रिकेट ने ये साबित किया है कि वो अपने फैंस के सम्मान का ख्याल रखता है और वो ऐसा करना जारी रखेगा। पाकिस्तान में भी इस महामारी की वजह से खेल की सारी गतिविधियां रुकी हुई हैं। पीएसएस को भी इसकी वजह से बीच में ही स्थगित कर दिया गया था।

आपको बता दें कि पाकिस्तान में कोरोना वायरस के कारण अब तक १४० लोगों की मौत हो चुकी है जबकि ७४०० लोगों में इसके सक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। पाकिस्तान के डॉक्टरों के पास कई बेसिक सुविधा जैसे की मास्क या दस्ताने भी नहीं हैं और ऐसी हालात में वहां की जनसंख्या के मुताबिक ये संख्या काफी कम है।

वहीं भारत की बात करें तो यहां पर कोरोना संक्रमित लोगों की तादाद १४ हजार के पार पहुंच चुकी है जबकि इससे मरने वाले लोगों की संख्या लगभग ५०० है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई में ५१ करोड़ रुपये डोनेट किया था जबकि देश के कई क्रिकेटर्स ने भी इसमें सहयोग किया और अपने-अपने तरीके से सब सहयोग कर ही रहे हैं।

सचिन की तुलना में लारा को बताया दमदार

स्पोर्ट्स डेस्क : ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा कि मौजूदा क्रिकेटरों में उनके हमवतन पैट कमिंस सबसे संपूर्ण तेज गेंदबाज हैं। मैकग्रा ने विभिन्न विषयों पर पूछे गए २५ सवालों के जवाब दिए। उनसे पूछा गया कि अभी क्रिकेट में सबसे पूर्ण तेज गेंदबाज कौन है। उन्होंने कहा, कमिंस। वह जिस तरह से गेंदबाजी करते हैं वह मुझे पसंद है।'

अपने जमाने के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक मैकग्रा का मानना है कि तेंदुलकर की तुलना में ब्रायन लारा को गेंदबाजी करना थोड़ा मुश्किल था। उन्होंने साथ ही बताया कि अगर वह टेस्ट हैट्रिक लेते तो किन बल्लेबाजों को आउट करना चाहते। लारा और तेंदुलकर में से किसी को चुनने के बारे में मैकग्रा ने कहा, यह मुश्किल है। फिर भी मैं अपने अनुभव के आधार पर लारा की तरफ जाऊंगा। जहां तक हैट्रिक में शामिल होने वाले बल्लेबाजों की बात है तो वे लारा, सचिन और राहुल द्रविड़ होते।'

उनके गेंदबाजी अस्त्र में कौन सी गेंद शामिल नहीं थी, पर उन्होंने कहा कि १०० मील प्रतिघंटे की रफ्तार से की जाने वाली गेंद। वहीं उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजों को अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

मैकग्रा से कहा गया कि अगर विश्व कप फाइनल में विरोधी टीम को जीत के लिए सिर्फ दो रन बनाने हैं और उसकी आखिरी जोड़ी क्रीज पर हो तो क्या वह बल्लेबाज को गेंदबाज के गेंद करने से पहले क्रीज छोड़ने पर रन आउट (मांकडिंग) करते।

उन्होंने कहा कि वह कभी ऐसा नहीं करते। इसके साथ ही उनका मानना है कि जिम कैरी की डंब एंड डंबर' में भूमिका देखने के बाद उन्हें लगता है कि अगर उनकी जीवनी पर फिल्म बने तो यही अभिनेता उसमें उनकी भूमिका निभाए। ब्रैड पिट या ह्यूज जैकमैन उनकी अन्य पसंद हैं। मैकग्रा को भारत के सब्यासाची द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े पहनना पसंद है। क्रिकेट से इतर जिन तीन अन्य दिग्गज खेल हस्तियों से मिलने का उन्हें सौभाग्य मिला उनमें जमैका के फर्राटा धावक उसैन बोल्ट, टेनिस स्टार रोजर फेडरर और पांच बार के ओलंपिक चैंपियन रोवर स्टीव रेडग्रेव शामिल हैं।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड हेतु, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विशाल दुबे द्वारा देश पब्लिकेशन, 85, हनुमान नगर, नागपूर-440009 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177 A/G योगी अरविंद नगर, कामठी रोड, नागपूर-440026 से प्रकाशित। **संपादक विशाल दुबे, संपर्क** : 9067054032, * पी आर बी कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार । Regd No. MAHHIN/2017/74134